विक्रम संवत् २०७९

सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्याऽभ्यासेन रक्ष्यते।
मृज्यया रक्ष्यते रुपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते॥

धर्म की रक्षा सत्य से होती है, विद्या की रक्षा अभ्यास से होती है,
रुप की रक्षा स्वच्छता से, और कुल की रक्षा सद आचरण से होती है।

विक्रम संवत्
2079

धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः।

जो भी धर्म का नाश करता है,
धर्म उसी का नाश कर देता है।
और जो धर्म की रक्षा करता है,
धर्म भी उसकी रक्षा करता है।

चैत्र/वैशाख
वि.सं. 2079

अप्रैल 2022

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
*युगादी, गुड़ी पड़वा विक्रम सम्वत 2079 प्रारंभ					चैत्र अमावस्या 1 चैत्र कृष्ण पक्ष अमावस्या	प्रथम नवरात्र नववर्ष प्रारंभ* 2 चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
मत्स्य जयन्ती 3 चैत्र शुक्ल पक्ष द्वितीया	गौरी तृतीया गणगौर 4 चैत्र शुक्ल पक्ष तृतीया	लक्ष्मी पंचमी 5 चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी	6 चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी	यमुना छठ 7 चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी	8 चैत्र शुक्ल पक्ष सप्तमी	श्री दुर्गा अष्टमी 9 चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी
श्री राम नवमी 10 चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी	11 चैत्र शुक्ल पक्ष दशमी	कामदा एकादशी 12 चैत्र शुक्ल पक्ष एकादशी	13 चैत्र शुक्ल पक्ष द्वादशी	मेष संक्रान्ति महावीर जयंती वैशाखी 14 चैत्र शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	15 चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	हनुमान जयंती गंगास्नान पूर्णिमा 16 चैत्र पूर्णिमा पूर्णिमा
शुक्र उदय 17 वैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	18 वैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया	श्री गणेश चतुर्थी 19 वैशाख कृष्ण पक्ष तृतीया	20 वैशाख कृष्ण पक्ष चतुर्थी	21 वैशाख कृष्ण पक्ष पंचमी	22 वैशाख कृष्ण पक्ष षष्ठी	23 वैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी/अष्टमी
24 वैशाख कृष्ण पक्ष नवमी	25 वैशाख कृष्ण पक्ष दशमी	बरूथिनी एकादशी 26 वैशाख कृष्ण पक्ष एकादशी	27 वैशाख कृष्ण पक्ष द्वादशी	28 वैशाख कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	29 वैशाख कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	वैशाख अमावस्या 30 वैशाख कृष्ण पक्ष अमावस्या

धारयति इति धर्म: धर्म का अर्थ है "धारण करना"
जो धारण करने योग्य हो, उसे धारण करना धर्म है।

सैवाहम् न च दृश्य वस्तु, ब्रह्म सत्य जगत् मिथ्या।

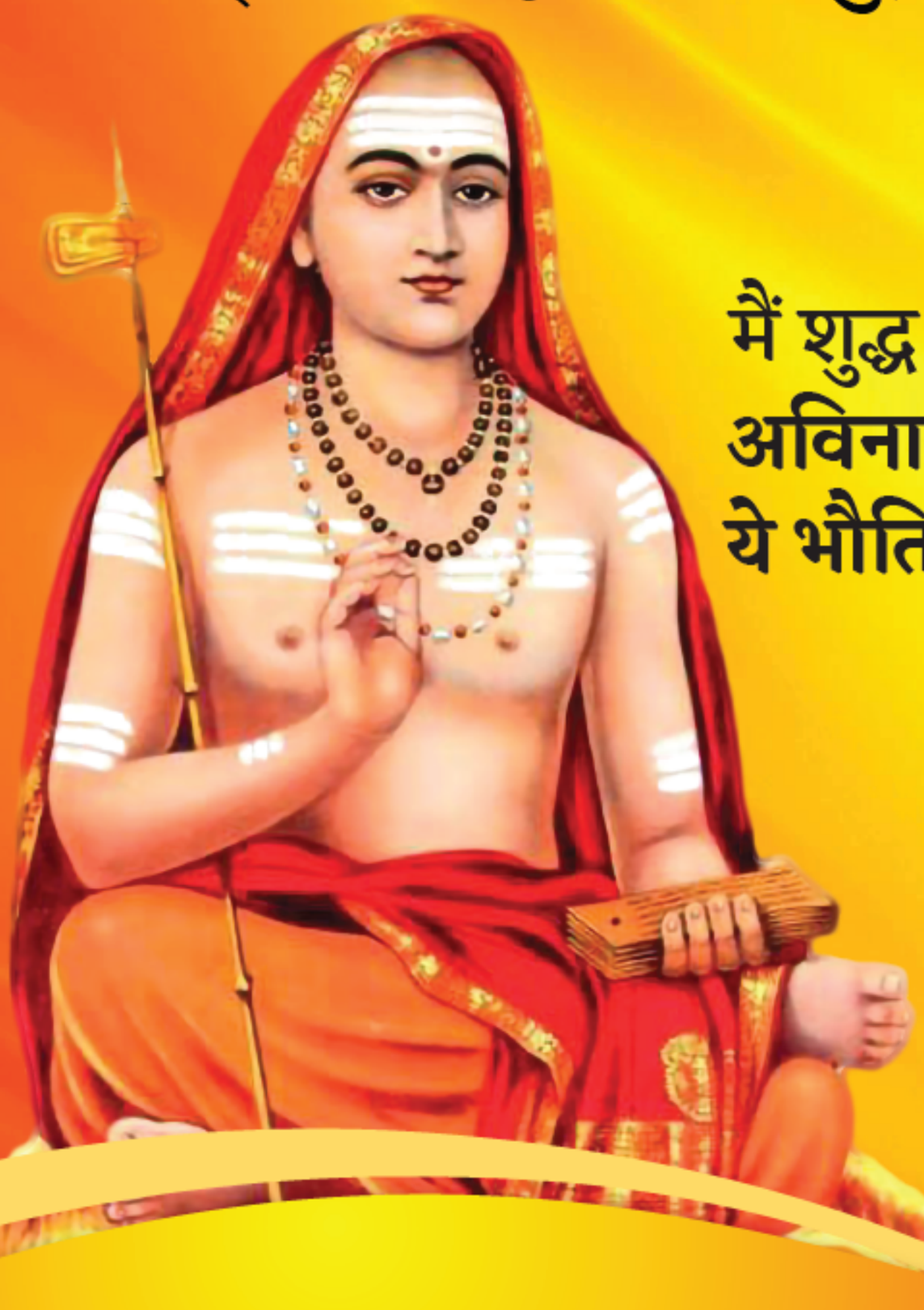

मैं शुद्ध चेतना हूँ न कि यह नाशवान शरीर।
अविनाशी तत्व (ब्रह्म) ही सत्य है,
ये भौतिक संसार असत्य है (नाशवान) है।

वैशाख/ज्येष्ठ
वि.सं. 2079

मई 2022

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
आंशिक सूर्य ग्रहण 1 वैशाख शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	चन्द्र दर्शन 2 वैशाख शुक्ल पक्ष द्वितीया	परशुराम जयन्ती अक्षय तृतीया 3 वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया	4 वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया	5 वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्थी	आद्य शंकराचार्य जयंती 6 वैशाख शुक्ल पक्ष पंचमी	7 वैशाख शुक्ल पक्ष षष्ठी
भानु सप्तमी गंगा सप्तमी 8 वैशाख शुक्ल पक्ष सप्तमी	9 वैशाख शुक्ल पक्ष अष्टमी	श्री जानकी नवमी 10 वैशाख शुक्ल पक्ष नवमी	11 वैशाख शुक्ल पक्ष दशमी	मोहिनी एकादशी 12 वैशाख शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 13 वैशाख शुक्ल पक्ष द्वादशी	श्री नृसिंह जयंती 14 वैशाख शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
वृष संक्रांति 15 वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	बुद्ध पूर्णिमा, स्नानादि पूर्णिमा 16 वैशाख पूर्णिमा पूर्णिमा	17 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा/द्वितीया	18 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी 19 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी	20 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष पंचमी	21 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी
22 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमी	23 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अष्टमी	24 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष नवमी	25 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष दशमी	अपरा एकादशी 26 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 27 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वादशी	28 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी
29 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	वट सावित्री व्रत शनि जयन्ती 30 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस्या	चंद्र दर्शन 31 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा				

अध्यात्म, चेतना की शक्ति का विज्ञान है, अर्थात अपने भीतर के चेतन तत्व को जानना, मनना और दर्शन करना।
धर्म तत्व-बोध का व्यवहारिक पक्ष है, अर्थात जिस मनुष्य को तत्वज्ञान है उसका कर्म और व्यवहार कैसा होगा।

अन्याय, अधर्म आदि का विनाश करना संपूर्ण मानव जाति का कर्तव्य है।

दर्द कहाँ तक पाला जाए
युद्ध कहाँ तक टाला जाए।
तू भी है राणा का वंशज
फेंक जहाँ तक भाला जाए।

ज्येष्ठ/आषाढ़
वि.सं. 2079

जून 2022

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
			1 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया	2 महाराणा प्रताप जयंती ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया	3 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्थी	4 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पंचमी
5 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष षष्ठी	6 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष षष्ठी	7 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सप्तमी	8 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष अष्टमी	9 श्री गंगा दशहरा ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष नवमी	10 निर्जला एकादशी ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी	11 गायत्री जयन्ती ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष एकादशी/द्वादशी
12 प्रदोष व्रत ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	13 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	14 वट पूर्णिमा व्रत ज्येष्ठ पूर्णिमा पूर्णिमा	15 मिथुन संक्रांति आषाढ़ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	16 आषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वितीया	17 श्री गणेश चतुर्थी आषाढ़ कृष्ण पक्ष तृतीया/चतुर्थी	18 आषाढ़ कृष्ण पक्ष पंचमी
19 आषाढ़ कृष्ण पक्ष षष्ठी	20 आषाढ़ कृष्ण पक्ष सप्तमी	21 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आषाढ़ कृष्ण पक्ष अष्टमी	22 आषाढ़ कृष्ण पक्ष नवमी	23 आषाढ़ कृष्ण पक्ष दशमी	24 योगिनी एकादशी आषाढ़ कृष्ण पक्ष एकादशी	25 आषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वादशी
26 प्रदोष व्रत आषाढ़ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	27 आषाढ़ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	28 आषाढ़ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	29 आषाढ़ कृष्ण पक्ष अमावस्या	30 चंद्र दर्शन आषाढ़ नवरात्रि आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा		

हे धनंजय आसक्ति को त्याग कर तथा सिद्धि और असिद्धि में समभाव होकर योग में स्थित हुये तुम कर्म करो।
यह समभाव ही योग कहलाता है(समत्वं योग उच्यते)।।

आदियोगी योगीश्वर

महर्षि पतंजलि ने अष्टांग योग को 'चित्त की वृत्तियों के निरोध' के रूप में परिभाषित किया है।

१. यम: पांच सामाजिक नैतिक नियम
२. नियम: पाँच व्यक्तिगत नैतिक नियम
३. आसन
४. प्राणायाम: प्राणों का आयाम
५. प्रत्याहार:"इन्द्रियों को उनके आहार विषयों से विमुख कर देना"
६. धारणा: किसी स्थान विशेष पर चित्त को स्थिर करना
७. ध्यान: चेतन मन की एक प्रक्रिया
८. समाधि: ध्यान की उच्च अवस्था

आषाढ़/श्रावण
वि.सं. 2079

जुलाई 2022

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
					जगन्नाथ रथयात्रा 1 आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया	2 आषाढ़ शुक्ल पक्ष तृतीया
3 आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्थी	4 आषाढ़ शुक्ल पक्ष पंचमी	5 आषाढ़ शुक्ल पक्ष षष्ठी	6 आषाढ़ शुक्ल पक्ष सप्तमी	7 आषाढ़ शुक्ल पक्ष अष्टमी	8 आषाढ़ शुक्ल पक्ष नवमी	9 आषाढ़ शुक्ल पक्ष दशमी
देवशयनी एकादशी 10 आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 11 आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वादशी	जयापार्वती व्रत प्रारम्भ 12 आषाढ़ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी/चतुर्दशी	गुरु पूर्णिमा 13 आषाढ़ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	14 श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	15 श्रावण कृष्ण पक्ष द्वितीया	जयापार्वती व्रत समाप्त 16 श्री गणेश चतुर्थी श्रावण कृष्ण पक्ष तृतीया
17 श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्थी	18 श्रावण कृष्ण पक्ष पंचमी	19 श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी	20 श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी	21 श्रावण कृष्ण पक्ष अष्टमी	22 श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी	23 श्रावण कृष्ण पक्ष दशमी
कामिका एकादशी 24 श्रावण कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 25 श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी	26 श्रावण कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	27 श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	28 श्रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या	29 श्रावण शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	चंद्र दर्शन 30 श्रावण शुक्ल पक्ष द्वितीया
हरियाली तीज 31 श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया						

कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम् । सदा बसन्तं हृदयारबिन्दे भबं भवानीसहितं नमामि ।।
जो कर्पूर के समान गौर वर्ण वाले, करुणा के अवतार हैं, संसार के सार हैं जो अपने गले में भुजंगों का हार धारण करते हैं, वे भगवान शिव माता भवानी सहित मेरे हृदय में सदैव निवास करें और उन्हें मेरा नमन है ।

अगस्त 2022

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
	1 श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्थी	नाग पंचमी 2 श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी	श्री कल्कि जयंती 3 श्रावण शुक्ल पक्ष षष्ठी	तुलसीदास जयंती 4 श्रावण शुक्ल पक्ष सप्तमी	5 श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी	6 श्रावण शुक्ल पक्ष नवमी
7 श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी	श्रावण पुत्रदा एकादशी 8 श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 9 श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी	10 श्रावण शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	रक्षा बंधन 11 श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	व्रत पूर्णिमा 12 श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा/प्रतिपदा	13 भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वितीया
कजरी तीज 14 भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतीया	स्वतंत्रता दिवस श्री गणेश चतुर्थी 15 भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्थी	16 भाद्रपद कृष्ण पक्ष पंचमी	सिंह संक्रान्ति बलराम जयन्ती 17 भाद्रपद कृष्ण पक्ष षष्ठी	जन्माष्टमी स्मार्त 18 भाद्रपद कृष्ण पक्ष सप्तमी	श्री कृष्ण जन्माष्टमी 19 भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी	20 भाद्रपद कृष्ण पक्ष नवमी
21 भाद्रपद कृष्ण पक्ष दशमी	22 भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकादशी	अजा एकादशी 23 भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 24 भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वादशी	25 भाद्रपद कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	भाई भिन्ना 26 भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	27 भाद्रपद कृष्ण पक्ष अमावस्या
चंद्र दर्शन 28 भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	29 भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वितीया	हरतालिका तीज 30 भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी* 31 भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्थी	*श्री गणपति पूजा आरंभ		

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

कर्म करने मात्र में तुम्हारा अधिकार है? फल में कभी नहीं। तुम कर्मफल के हेतु वाले मत होना और अकर्म में भी तुम्हारी आसक्ति न हो।।

या देवी सर्वभुतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

उस देवी को जो सभी प्राणियों में
शक्ति के रूप में निवास करती है।
उन्हें नमस्कार, उन्हें नमस्कार,
उन्हें नमस्कार, बार-बार नमस्कार।

भाद्रपद/ आश्विन
वि.सं. 2079

सितम्बर 2022

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
				ऋषि पंचमी 1 भाद्रपद शुक्ल पक्ष पंचमी	2 भाद्रपद शुक्ल पक्ष षष्ठी	3 भाद्रपद शुक्ल पक्ष सप्तमी
श्री राधा अष्टमी 4 भाद्रपद शुक्ल पक्ष अष्टमी	5 भाद्रपद शुक्ल पक्ष नवमी	पार्श्व एकादशी 6 भाद्रपद शुक्ल पक्ष एकादशी	वामन जयन्ती 7 भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत 8 भाद्रपद शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	अनंत चतुर्दशी श्री गणपति विसर्जन 9 भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	पूर्णिमा श्राद्ध पितृ पक्ष आरंभ 10 भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा
11 आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	12 आश्विन कृष्ण पक्ष द्वितीया	13 आश्विन कृष्ण पक्ष तृतीया	14 आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्थी	15 आश्विन कृष्ण पक्ष पंचमी	16 आश्विन कृष्ण पक्ष षष्ठी	17 आश्विन कृष्ण पक्ष सप्तमी
18 आश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी	सौभाग्यवती श्राद्ध 19 आश्विन कृष्ण पक्ष नवमी	20 आश्विन कृष्ण पक्ष दशमी	इन्दिरा एकादशी 21 आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी	22 आश्विन कृष्ण पक्ष द्वादशी	23 आश्विन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	24 आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
पितृ विसर्जन श्राद्ध 25 आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या	नवरात्रि प्रारम्भ 26 आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	चंद्र दर्शन 27 आश्विन शुक्ल पक्ष द्वितीया	28 आश्विन शुक्ल पक्ष तृतीया	29 आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्थी	30 आश्विन शुक्ल पक्ष पंचमी	

यतो ऽभ्युदयनिःश्रेयससिद्धिः स धर्मः।

धर्म वह अनुशासित जीवन क्रम है , जिसमें लौकिक उन्नति (अविद्या) तथा आध्यात्मिक परमगति प्राप्ति होती है ।

पाप अपने साथ रोग, शोक, पतन और संकट लेकर आता है।

सो दससीस स्वान की नाईं।
इत उत चितइ चला भड़िहाईं॥
इमि कुपंथ पग देत खगेसा।
रह न तेज तन बुधि बल लेसा।

आश्विन/कार्तिक
वि.सं. 2079

अक्टूबर 2022

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
						1 आश्विन शुक्ल पक्ष षष्ठी
भानु सप्तमी 2 आश्विन शुक्ल पक्ष सप्तमी	दुर्गा अष्टमी 3 आश्विन शुक्ल पक्ष अष्टमी	महा नवमी 4 आश्विन शुक्ल पक्ष नवमी	विजय दशमी 5 आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी	पापांकुश एकादशी 6 आश्विन शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 7 आश्विन शुक्ल पक्ष द्वादशी/त्रयोदशी	8 आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी
शरद पूर्णिमा 9 महर्षि वाल्मीकि जयंती आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	10 कार्तिक कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	11 कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वितीया	12 कार्तिक कृष्ण पक्ष तृतीया	करवा चौथ 13 कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्थी	14 कार्तिक कृष्ण पक्ष पंचमी	15 कार्तिक कृष्ण पक्ष षष्ठी
16 कार्तिक कृष्ण पक्ष षष्ठी	अहोई अष्टमी 17 कार्तिक कृष्ण पक्ष सप्तमी	18 कार्तिक कृष्ण पक्ष अष्टमी	19 कार्तिक कृष्ण पक्ष नवमी	20 कार्तिक कृष्ण पक्ष दशमी	रमा एकादशी 21 कार्तिक कृष्ण पक्ष एकादशी	धनतेरस, प्रदोष व्रत 22 कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वादशी
काली चौदस 23 कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	नरक चतुर्दशी दीवाली 24 कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	सूर्य ग्रहण आंशिक 25 कार्तिक कृष्ण पक्ष अमावस्या	गोवर्धन पूजा भैया दूज 26 कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	27 कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया	28 कार्तिक शुक्ल पक्ष तृतीया	29 कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी/पंचमी
छठ पूजा 30 कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी	31 कार्तिक शुक्ल पक्ष सप्तमी					

वही दस सिरवाला रावण कुत्ते की तरह इधर-उधर ताकता हुआ चोरी के लिए चला।
मनुष्य के कुमार्ग पर पैर रखते ही शरीर में तेज तथा बुद्धि एवं बल का लेश भी नहीं रह जाता।

सत्य-सत्यमेवेश्वरो लोके सत्ये धर्मः सदाश्रितः।
सत्यमूलानि सर्वाणि सत्यान्नास्ति परं पदम् ॥

आदि कवि महर्षि वाल्मीकि

सत्यं वद, धर्मं चर

कार्तिक/ मार्गशीर्ष वि.सं. 2079

नवंबर 2022

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
		गोपाष्टमी 1 कार्तिक शुक्ल पक्ष अष्टमी	अक्षय नवमी 2 कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी	कंस वध 3 कार्तिक शुक्ल पक्ष दशमी	देवोत्थान एकादशी 4 कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी	तुलसी विवाह 5 प्रदोष व्रत कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वादशी
6 कार्तिक शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	देव दीपावली 7 कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	कार्तिक पूर्णिमा 8 कार्तिक शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	9 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	10 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया	11 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी 12 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष चतुर्थी
13 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष पंचमी	14 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष षष्ठी	15 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष सप्तमी	भैरवाष्टमी कालाष्टमी 16 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अष्टमी	17 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अष्टमी	18 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष नवमी	19 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष दशमी
उत्पन्ना एकादशी 20 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 21 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वादशी	22 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	चतुर्दशी 23 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अमावस्या	24 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	25 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वितीया	26 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष तृतीया
27 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्थी	28 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी	29 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी	30 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी			

सत्य ही संसार में ईश्वर है; धर्म भी सत्य के ही आश्रित है;
सत्य ही समस्त भव-विभव का मूल है; सत्य से बढ़कर और कुछ नहीं है।

सञ्जय उवाच ।

यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः।तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्ध्रुवा नीतिर्मतिर्मम।।

जहाँ योगेश्वर भगवान् श्रीकृष्ण हैं
और जहाँ गाण्डीव धनुषधारी अर्जुन हैं,
वहाँ ही श्री, विजय, विभूति और अचल
नीति है।

मार्गशीर्ष/पौष
वि.सं. 2079

दिसंबर 2022

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
				1 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष अष्टमी/नवमी	2 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष दशमी	श्री गीता जयन्ती मोक्षदा एकादशी 3 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष एकादशी
4 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत 5 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	6 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	दत्तात्रेय जयन्ती 7 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	8 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	9 पौष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	10 पौष कृष्ण पक्ष द्वितीया
श्री गणेश चतुर्थी 11 पौष कृष्ण पक्ष तृतीया	12 पौष कृष्ण पक्ष चतुर्थी	13 पौष कृष्ण पक्ष पंचमी	14 पौष कृष्ण पक्ष षष्ठी	15 पौष कृष्ण पक्ष सप्तमी	धनु संक्रान्ति 16 पौष कृष्ण पक्ष अष्टमी	17 पौष कृष्ण पक्ष नवमी
18 पौष कृष्ण पक्ष दशमी	सफला एकादशी 19 पौष कृष्ण पक्ष एकादशी	20 पौष कृष्ण पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत 21 पौष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	22 पौष कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	23 पौष कृष्ण पक्ष अमावस्या	चंद्र दर्शन 24 पौष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
25 पौष शुक्ल पक्ष द्वितीया/तृतीया	26 पौष शुक्ल पक्ष चतुर्थी	27 पौष शुक्ल पक्ष पंचमी	28 पौष शुक्ल पक्ष षष्ठी	29 पौष शुक्ल पक्ष सप्तमी	30 पौष शुक्ल पक्ष अष्टमी	31 पौष शुक्ल पक्ष नवमी

When I read the Bhagavad-Gita and reflect about how God created this universe everything else seems so superfluous. I have made the Bhagwad-Gita as the main source of my inspiration and guide for the purpose of scientific investigations and formation of my theories.

Albert Einstein

अभय हो ! अपने अस्तित्व के कारक तत्व को समझो, उस पर विश्वास करो। भारत की चेतना उंसकी संस्कृति है। अभय होकर इस संस्कृति का प्रचार करो।

पौष-माघ
वि.सं. 2079

जनवरी 2023

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
1 पौष शुक्ल पक्ष दशमी	पौष पुत्रदा एकादशी 2 पौष शुक्ल पक्ष एकादशी	3 पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत 4 पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	5 पौष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	6 पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	7 माघ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
8 माघ कृष्ण पक्ष द्वितीया	9 माघ कृष्ण पक्ष द्वितीया	श्री गणेश चतुर्थी 10 माघ कृष्ण पक्ष तृतीया	11 माघ कृष्ण पक्ष चतुर्थी	स्वामी विवेकानंद जयंती 12 माघ कृष्ण पक्ष पंचमी	13 माघ कृष्ण पक्ष षष्ठी	14 माघ कृष्ण पक्ष सप्तमी
मकर संक्रान्ति पोंगल 15 माघ कृष्ण पक्ष अष्टमी	16 माघ कृष्ण पक्ष नवमी	17 माघ कृष्ण पक्ष दशमी	षटतिला एकादशी 18 माघ कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 19 माघ कृष्ण पक्ष द्वादशी	20 माघ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी/चतुर्दशी	मौनी अमावस्या 21 माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या
माघ नवरात्रि 22 माघ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	चंद्र दर्शन 23 माघ शुक्ल पक्ष द्वितीया	24 माघ शुक्ल पक्ष तृतीया	25 माघ शुक्ल पक्ष चतुर्थी	वसन्त पञ्चमी 26 माघ शुक्ल पक्ष पंचमी	27 माघ शुक्ल पक्ष षष्ठी	रथ सप्तमी भीष्म अष्टमी 28 माघ शुक्ल पक्ष सप्तमी
29 माघ शुक्ल पक्ष अष्टमी	30 माघ शुक्ल पक्ष नवमी	31 माघ शुक्ल पक्ष दशमी				

धर्म ही हमारे राष्ट्र की जीवन शक्ति है। यह शक्ति जब तक सुरक्षित है, तब तक विश्व की कोई भी शक्ति हमारे राष्ट्र को नष्ट नहीं कर सकती।

आत्मबल सामर्थ्य देता है और
सामर्थ्य विद्या प्रदान करता है,
विद्या स्थिरता प्रदान करती है और
स्थिरता विजय की तरफ ले जाती
है ।

धर्मो रक्षति रक्षितः

माघ/फाल्गुन
वि.सं. 2079

फरवरी 2023

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
			जया एकादशी 1 माघ शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत 2 माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी	3 माघ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	4 माघ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी
5 माघ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	6 फाल्गुन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	7 फाल्गुन कृष्ण पक्ष द्वितीया	8 फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी 9 फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्थी	10 फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्थी	11 फाल्गुन कृष्ण पक्ष पंचमी
12 फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी	कुंभ संक्रान्ति 13 फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी	14 फाल्गुन कृष्ण पक्ष अष्टमी	15 फाल्गुन कृष्ण पक्ष नवमी/दशमी	विजया एकादशी व्रत स्मार्त 16 फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी	विजया एकादशी 17 फाल्गुन कृष्ण पक्ष द्वादशी	महा शिवरात्रि प्रदोष व्रत 18 फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी
छत्रपति शिवाजी जयंती 19 फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	सोमवती अमावस्या 20 फाल्गुन कृष्ण पक्ष अमावस्या	फुलैरा दूज चन्द्र दर्शन 21 फाल्गुन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा/द्वितीया	22 फाल्गुन शुक्ल पक्ष तृतीया	23 फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्थी	24 फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी	25 फाल्गुन शुक्ल पक्ष षष्ठी
भानु सप्तमी 26 फाल्गुन शुक्ल पक्ष सप्तमी	27 फाल्गुन शुक्ल पक्ष अष्टमी	28 फाल्गुन शुक्ल पक्ष नवमी				

मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर देना ही धर्म है ।
ऐसे धर्म का पालन सिर्फ महान लोग ही करते है ।

सत श्री अकाल
ईश्वर ही अन्तिम सत्य है ।

सत्यमेव जयते

फाल्गुन/चैत्र
वि.सं. 2079

मार्च 2023

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
*युगादी, गुड़ी पड़वा विक्रम सम्वत 2080 प्रारंभ			1 फाल्गुन शुक्ल पक्ष दशमी	2 आमलकी एकादशी फाल्गुन शुक्ल पक्ष दशमी	3 फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी	4 प्रदोष व्रत फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी
5 फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	6 फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	7 वसन्त पूर्णिमा होलिका दहन फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	8 होली (धुलेंडी) चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	9 भाई दूज चैत्र कृष्ण पक्ष द्वितीया	10 चैत्र कृष्ण पक्ष तृतीया	11 श्री गणेश चतुर्थी चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्थी
12 रंग पञ्चमी चैत्र कृष्ण पक्ष पंचमी	13 चैत्र कृष्ण पक्ष षष्ठी	14 चैत्र कृष्ण पक्ष सप्तमी	15 शीतलाष्टमी बसोड़ा मीन संक्रांति चैत्र कृष्ण पक्ष अष्टमी	16 चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी	17 चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी	18 पाप मोचिनी एकादशी चैत्र कृष्ण पक्ष एकादशी
19 प्रदोष व्रत चैत्र कृष्ण पक्ष द्वादशी/त्रयोदशी	20 चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	21 चैत्र कृष्ण पक्ष अमावस्या	22 नववर्ष प्रारंभ* चैत्र नवरात्रि चन्द्र दर्शन चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	23 चैत्र शुक्ल पक्ष द्वितीया	24 मत्स्य जयन्ती गौरी पूजा गणगौर चैत्र शुक्ल पक्ष तृतीया	25 लक्ष्मी पञ्चमी चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी
26 चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी	27 यमुना छठ चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी	28 चैत्र शुक्ल पक्ष सप्तमी	29 चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी	30 राम नवमी स्वामीनारायण जयन्ती चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी	31 चैत्र शुक्ल पक्ष दशमी	

चिड़ियाँ नाल मैं बाज लड़ावाँ, गिदरां नूं मैं शेर बनावा
सवा लाख से एक लड़ावाँ ताँ गोविंद सिंह नाम धरावाँ